



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अगस्त, 2014 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:

लक्ष्य – निर्विघ्न अवस्था।

हम आत्माएं इस संसार में विघ्न विनाशक हैं। जो अनेक आत्माओं के विघ्नों को नष्ट करने वाले हैं वह स्वयं विघ्नों में कैसे हो सकते हैं। हम सर्वशक्तिमान बाबा के बच्चे मास्टर सर्वशक्तिमान हैं। इस संसार में छाई हुई विकारों की कालिमा को अपनी शक्तियों से मिटाना है और स्वर्णिम सवेरा लाना है। इस संसार से दुःख और अशान्ति को मिटाकर यहाँ सुख और शान्ति का राज्य स्थापन करना है।

तो आईए, हम स्वयं निर्विघ्न बन संसार को निर्विघ्न बनाएं।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का स्वमान
पहला	मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा विघ्न विनाशक हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा सदा विजयी हूँ।
चौथा	मैं आत्मा निर्विघ्न हूँ।

हर सप्ताह में जो स्वमान दिये हैं उस पर चिन्तन करके 10 लाईन कम से कम लिखनी है। फिर सारे दिन में उस स्वमान का अभ्यास करना है। रोज रात को चेक करना है कि क्या हम निर्विघ्न रहें? कितना % और अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. निर्विघ्न अवस्था - 50%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. सदा मीठा बोलेंगे।
2. सर्व के प्रति शुभ भाव रखेंगे।

● अभ्यास:

1. अमृतवेले विशेष बाबा से शक्तियों को प्राप्त करेंगे और ट्राफिक कंट्रोल के समय उसे संसार में फैलायेंगे।
2. अमृतवेले विशेष अपना विघ्न विनाशक स्वरूप ईमर्ज कर सारे दिन में सबको वरदान वा सहयोग देते रहना है।
3. अमृतवेले विशेष वतन में जाकर बाबा से विजय का तिलक लेना है।
4. अमृतवेले विशेष बाबा से निर्विघ्न का वरदान लेना है और सारे दिन में जो भी मिले उन्हें देना है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कंट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
निर्विघ्न अवस्था-50%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		



Divya Darpan Retreat

युवा प्रभाग

अगस्त-2014: निर्विघ्न अवस्था

4.00 से 4.45 - अमृतवेला कॉमेन्ट्री से योग कराया जाये, योग के पश्चात् बापदादा से निर्विघ्न रहने का वरदान प्राप्त करें (बाबा के सामने वरदानों की ट्रे रखी जाये)

4.45 से 5.15 - स्व चिंतन - मैं सम्पूर्ण निर्विघ्न आत्मा हूँ, भक्ति में मेरा कितना पूजन होता है। (सामने विघ्न विनाशक स्थिति का प्रतिक गणेश रखा जाए और उनकी विशेषताओं पर मनन कर चेक किया जाए)

5.15 से 5.45 शक्तियों का आदान प्रदान (आमने सामने दृष्टि योग)

6.00 से 6.30 योग

6.30 से 7.30 मुरली

7.45 से 8.30 अष्टशक्तियों पर वर्कशॉप

1. आप निर्विघ्न बनने में कौनसी शक्ति का प्रयोग करेंगे?
2. आप उस शक्ति के बारे में विस्तार से लिखिए।
3. उस शक्ति को धारण न करने से होने वाले नुकसान लिखिए।
4. उस शक्ति से होने वाली प्राप्तियाँ लिखिए।

8.30 से 9.30 अनुभव की लेन देन एवं निर्विघ्न रहने की शुभकामनाएँ, टोली (वरिष्ठ बहन द्वारा)

सूचना: दिन (तिथि) और समय आप अपनी सुविधा अनुसार परिवर्तित कर सकते हैं।